GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO- 67
ANSWERED ON-08/02/2021

JAIPUR-AJMER EXPRESSWAY

67. SHRI NEERAJ DANGI:

Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) the details of concessional period and rate of toll determined according to the traffic census and construction cost which was done prior to commencement of constructing Jaipur-Ajmer Expressway;

(b) whether concessional period and toll rate have been increased from time to time even after starting toll on the Jaipur-Ajmer Expressway toll road, if so, the reasons therefor; and

(c) whether traffic census has been conducted every year after starting toll on the Jaipur-Ajmer Expressway toll road, if so, the details thereof?

ANSWER

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(SHRI NITIN JAIRAM GADKARI)

(a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (c) OF RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 67 ON 8TH FEBRUARY, 2021 ASKED BY SHRI NEERAJ DANGI REGARDING '**JAIPUR-AJMER EXPRESSWAY'**

(a) National Highways Authority of India (NHAI) has constructed six lane National Highway between Jaipur to Kishangarh with concession period of 20 years starting from 17.03.2003 to 16.03.2023. The total construction cost of this project is Rs. 614.50 crores. This stretch was having traffic intensity in the range of 35254 to 39439 Passenger Car Unit per day (PCU/day) prior to commencement of six laning work. The rate of toll is determined according to Gazette of India notification S.O. 1457(E) dated 20.12.2003.

(b) Concession Period has not been increased for Jaipur-Kishangarh project. Toll rates are revised annually based on Whole Sale Price Index as notified under NH Act, 1956 and Concession Agreement.

(c) Traffic surveys have been conducted by Indian Highways Management Company Limited (IHMCL) near toll plaza at Thikariya and Kishangarh every year from 2015 to 2019. The average traffic on this stretch during this period is in the range of 74673 to 92020 PCU/day.

*****

भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न सं. 67

जिसका उत्तर 08.02.2021 को दिया जाना है

जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे

67 श्री नीरज डांगी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे का निर्माण आरंभ करने से पूर्व की गई यातायात की गणना तथा उसकी निर्माण लागत के अनुसार निर्धारित की गई रियायत अवधि तथा टोल की दर का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे टोल रोड पर टोल आरंभ किए जाने के बाद भी समय-समय पर रियायत अवधि तथा टोल की दर में वृद्धि की गई है, यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) क्या जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे टोल रोड पर टोल आरंभ किए जाने के बाद प्रति वर्ष यातायात गणना कराई जाती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

'जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे' के संबंध में श्री नीरज डांगी द्वारा पूछे गए दिनांक 08.02.2021 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *67 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 17.03.2003 से प्रारंभ करके 16.03.2023 तक 20 वर्ष की रियायत अवधि के साथ जयपुर से किशनगढ़ के बीच छह लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया है। इस परियोजना की कुल निर्माण लागत 614.50 करोड़ रु. है। इस खंड पर छह लेन बनाने का कार्य शुरू करने से पहले 35254 से 39439 यात्री कार यूनिट प्रति दिन (पीसीयू / दिन) की ट्रैफ़िक तीव्रता थी। टोल की दर भारत सरकार की अधिसूचना सा.आ. 1457 (अ) दिनांक 20.12.2003 के अनुसार निर्धारित की जाती है।

(ख): जयपुर - किशनगढ़ परियोजना के लिए रियायत अवधि बढ़ी नहीं है। राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 और रियायत समझौते के अंतर्गत यथा अधिसूचित थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर टोल दरों को वार्षिक रूप में संशोधित किया जाता है।

(ग): प्रति वर्ष 2015 से 2019 तक ठिकरिया और किशनगढ़ टोल प्लाजा के पास भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा यातायात सर्वेक्षण कराया गया है। इस अवधि के दौरान इस खंड पर औसत यातायात 74673 से 92020 पीसीयू / दिन की सीमा में है।

*****

SHRI NEERAJ DANGI: Sir, my supplementary question is regarding Jaipur-Ajmer Expressway. मैं माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि जयपुर-अजमेर एक्सप्रेसवे का निर्माण आरम्भ करने से पूर्व की गयी यातायात की गणना तथा उसकी निर्माण लागत के अनुसार निर्धारित की गयी रियायत अवधि तथा टोल की दर का ब्योरा क्या है और क्या जयपुर-अजमेर एक्सप्रेसवे टोल रोड पर टोल आरम्भ किये जाने के बाद भी समय-समय पर रियायत अवधि तथा टोल की दर में वृद्धि की गयी है, यदि हाँ, तो उसका कारण क्या है? क्या जयपुर-अजमेर एक्सप्रेसवे टोल रोड पर टोल आरम्भ किये जाने के बाद प्रतिवर्ष यातायात गणना करायी जाती है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है?

श्री नितिन जयराम गडकरी: माननीय सभापति महोदय, यह जयपुर-किशनगढ़ नेशनल हाईवे 6 लेन है, जिसकी total length 90 किलोमीटर है और यह 9.04.2005 को कम्प्लीट हुआ है। इसका concession period जो था, वह 17.03.2003 से 16.03.2023, 20 साल का था। इसके concession period में कोई increase नहीं किया गया है। इसकी total cost of the project Rs. 614.50 करोड़ थी। जब award किया गया था, तो उस समय NHAI की grant 211 करोड़ थी और traffic prior to commencement of work जो था, वह 35,254 to 39,439 PCUs per day था। माननीय सदस्य ने जो पूछा है, इसके

बारे में Toll Notification dated 20.12.2003 निकला था। जो टोल बढ़ता है, वह based on Wholesale Price Index है और traffic census जो carried out होता है, वह every year from 2016-2020 ranging from 74673 to 92020 PCUs per day है और इसमें टोल का जो total collection FASTag से होता है, वह आज 92 per cent हो रहा है। इसमें जो toll collection ज्यादा होता है, तो आधा NHAI को मिलता है और आधा concessionaire को मिलता है, as far as contract यह तय हुआ है। अभी तक total toll collection 3,507 करोड़ हुआ है और इसमें से NHAI को 363 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके बारे में कोई complaint अभी तक नहीं आयी है।

श्री सभापति: नीरज डांगी जी, क्या आपका second supplementary question है?

श्री नीरज डांगी: नहीं, सर। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Then, Shri A. Vijayakumar.

SHRI A. VIJAYAKUMAR: Sir, I want to know from the hon. Minister as to when will the Kanyakumari-Trivandrum four-lane Project be finished, and opened for public usage.

SHRI NITIN JAIRAM GADKARI: Mr. Chairman, Sir, I don't have the exact information about that project. We are doing a lot of projects and the number of projects

which we are doing is more than 3,000. Out of which, one of the projects relate to Kanyakumari. As far as my information and knowledge is concerned, I am not very much sure about it, it is already going on, and it will be completed as early as possible.

श्री हरनाथ सिंह यादव: मान्यवर, वाहन चालक अधिक कार्यभार व अल्प वेतनभोगी होने के कारण तनाव में रहते हैं, परिणामत: अधिक सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं। माननीय मंत्री जी से मेरा सवाल यह है कि वाहन चालकों की निजी समस्याओं के निदान व दक्षता वृद्धि हेतु सरकार ने क्या कोई कार्य योजना तैयार की है?

श्री नितिन जयराम गडकरी: महोदय, हमारे देश में हर साल करीब 5 लाख accidents होते हैं और डेढ़ लाख लोगों की मौतें होती हैं। कोविड काल में भी एक साल में जितना नहीं हुआ, उससे ज्यादा इससे नुकसान होता है। इसमें road engineering के बारे में भी कुछ प्रश्न आये, जिनके ऊपर हमने बड़े परिमाण में काम हाथ में लिये हैं। इसके साथ-साथ automobile engineering में भी काफी सुधार किया गया है, airbag से लेकर काफी चीज़ों के बारे में सरकार ने निर्णय किया है। ड्राइवर्स के प्रशिक्षण के लिए करीब 1,000 स्कूल्स देश में खोलने की भी व्यवस्था की गयी है। इस बार ड्राइवर के साथ, विशेष रूप से ट्रक में जो केबिन होता है, उसको AC करने के बारे में भी हमने बीच में manufacturer से चर्चा की थी, क्योंकि वे 14-

14 घंटे ड्राइविंग करते हैं। विशेष रूप से western countries में, अमेरिका में और बाकी जगहों पर इसके बारे में नियम बने हुए हैं कि ड्राइवर को कितने सालों तक कितने घंटे तक चलना चाहिए और हमारे देश में उसके बारे में अभी तक ऐसा नियम हम नहीं बना पाये हैं। फिर भी ड्राइवर्स के हेल्थ के लिए कैम्प भी लगाये जाते हैं और नये Motor Vehicles Act में ड्राइवर्स की सेफ्टी के बारे में और उनके अधिकारों के बारे में, चाहे वे प्राइवेट टैक्सी चलायें, ट्रक चलायें, बसेज़ चलायें, उनके बारे में हम बहुत सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हैं।

MR. CHAIRMAN: The voice is not coming. आपकी आवाज़ नहीं आ रही है।

डा. अशोक बाजपेयी : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बधाई देना चाहूँगा कि इतने बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण गुणवत्तापरक हुआ है, लेकिन उसके साथ ही माननीय मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि नेशनल हाइवे 24, जो लखनऊ से दिल्ली तक आता है, उसका लखनऊ से शाहजहाँपुर तक का हिस्सा बहुत खराब है। सीतापुर से शाहजहाँपुर के बीच का यह पैच लगभग 80 किलोमीटर का है, जो कई वर्षों से खराब है। मेरा माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि इसे प्राथमिकता के आधार पर निर्मित कराने का काम करें।

श्री नितिन जयराम गडकरी : माननीय सभापति महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण रास्ता है। हम लखनऊ से कानपुर तक नई alignment के साथ ग्रीन एक्सप्रेस हाइवे बना रहे हैं। उसकी land acquisition और alignment पूर्ण हो चुकी है। उत्तर प्रदेश की सरकार और मुख्य मंत्री से चर्चा करने के बाद यह alignment पक्का हुआ है और आने वाले तीन महीने में लखनऊ से कानपुर तक का हाइवे के एक्सप्रेस हाइवे, जो access controlled है, उसके कार्य का शुभारंभ होगा। जहाँ तक कानपुर के बाद दिल्ली की तरफ आने के लिए जो रोड है, जो एनएच-24 है, वह दिल्ली से मेरठ तक 16 लेन्स का बनी हुई है। वर्ल्ड में पहली बार 16 लेन्स की रोड दिल्ली से जाते समय आगे मेरठ तक है। इसके आगे भी विस्तार करने के बारे योजना तैयार की गई है और 'भारत माला' प्रोजेक्ट में भी उनमें से एक प्रोजेक्ट है। आने वाले समय में लखनऊ से दिल्ली तक फास्ट एक्सप्रेस हाइवे होगा, access controlled होगा और आने वाले नए साल में इस पर काफी कामों की शुरुआत हो जाएगी।

डा. अशोक बाजपेयी : माननीय मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि एनएच-24

...(व्यवधान)...

श्री सभापति : नहीं, नहीं, मैंने आपको supplementary question पूछने का मौका दिया। आपने प्रश्न पूछ लिया और उसका जवाब भी आपको मिला है। I have gone to next question; Question No. 68.